>

Title: Need to allocate funds for maintenance of National Highways in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, यह विषय मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित है। आज हमारे प्रदेश में कुल 3,827 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जिनमें 2,393 किलोमीटर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। आज सुबह दस बजे मध्यप्रदेश के राज्य सभा और लोक सभा के सभी सांसादों ने श्रीमती सुषमा स्वराज जी के नेतृत्व में गांधी जी प्रतिमा के सामने सत्याग्रह कर भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मंत्री जी से इस बात का निवेदन करते रहे हैं कि मध्य प्रदेश के दस राष्ट्रीय राजमार्ग जो पूरी तरह से खराब हो चुके हैं, उनके सुधार के लिए हमें पैसा दिया जाए और यदि पैसा नहीं दे सकते हैं तो उनको डिनोटिफाई कर के राज्य सरकार को अधिकार दिया जाए कि वे उन सड़कों की मरम्मत कर सकें। उनको नए तरीके से बनाने का काम कर सकें। लेकिन दुर्भाग्य है कि भारत सरकार ने उन सड़को सुधारने के लिए अभी तक न तो पैसा दिया है और न ही उन सड़को को बनाने के लिए राज्य सरकार को देने का काम किया है। दस राष्ट्रीय राजमार्ग हैं जिनमें एनएच-3 जो 517 किलोमीटर खराब है, एनएच-7 जो 300 किलोमीटर खराब है, एनएच-12 जो 290 किलोमीटर खराब है, एनएच-12ए जो 189 किलोमीटर खराब है, एनएच-69 जो 277 किलोमीटर खराब है, एनएच-86 जो 186 किलोमीटर खराब है एवं एनएच-86ए जो 119 किलोमीटर खराब हैं, उनकी सड़कें पूरी तरह से खराब हो चुकी हैं। चूंकि राष्ट्रीय राजमार्ग किसी भी राज्य के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और अगर वे इसी तरह से खराब रहेंगे, तो उससे एक तरफ जहाँ केंद्र सरकार की छवि खराब हो रही है वहीं राज्य सरकार के विकास का काम भी रूक रहा है। मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग है कि उन सड़को की मरम्मत के लिए और उनके पुनर्निमाण के लिए जो धनराशि मांगी गई है उसको दिया जाए।

MR. CHAIRMAN : The hon. Members

Shri Rakesh Singh,

Shri K.D. Deshmukh and

Shri Ashok Argal have associated themselves with the matter raised by Shri Ganesh Singh.